पाठ 41

1. परमेश्वर ने हमेशा लोगों से क्यों बात की है?

-कि वे बच जाएंगे।

2. परमेश्वर क्यों चाहता था कि योना नीनवे शहर जाए?

-क्योंकि परमेश्वर नीनवे के लोगों से प्रेम करता था।

-क्योंकि परमेश्वर नीनवे के लोगों को पाप, मृत्यु और शैतान की शक्ति से बचाना चाहता था।

3. योना क्यों भाग गया?

-योना भाग गया क्योंकि वह नीनवे नगर में नहीं जाना चाहता था।

4. योना नीनवे शहर क्यों नहीं जाना चाहता था?

-क्योंकि नीनवे के लोग बहुत दुष्ट थे।

-क्योंकि नीनवे के लोग इस्राएलियों के शत्रु थे।

-क्योंकि योना नहीं चाहता था कि परमेश्वर नीनवे के लोगों को बचाए।

5. क्या योना परमेश्वर से दूर भागने में सक्षम था?

-नहीं।

6. क्या योना परमेश्वर से छिप सकता था?

-नहीं।

7. क्या योना परमेश्वर से बचने में सक्षम था?

-नहीं।

8. जब योना ने परमेश्वर की अवज्ञा की और नीनवे नहीं गया तो परमेश्वर ने क्या किया?

-परमेश्वर ने योना को निगलने के लिए एक बड़ी मछली भेजी।

9. योना कितनी देर तक बड़ी मछली के पेट में रहा?

-तीन दिन और तीन रात के लिए।

10. क्या योना बड़ी मछली के पेट में अपने आप को बचा सका?

-नहीं।

11. योना को बचाने वाला एकमात्र व्यक्ति कौन था?

-परमेश्वर।

12. सभी लोग योना की तरह कैसे हैं?

-जैसे योना बड़ी मछली के पेट से खुद को नहीं बचा पा रहा था, वैसे ही सभी लोग पाप, मृत्यु और शैतान की शक्ति से खुद को नहीं बचा पा रहे हैं।

-जैसे केवल परमेश्वर ही योना को बचाने में सक्षम था, केवल परमेश्वर ही सभी लोगों को बचाने में सक्षम है।

13. परमेश्वर ने क्या किया जब योना ने स्वीकार किया कि उसने परमेश्वर के विरुद्ध पाप किया और उसकी अवज्ञा की?

-परमेश्वर ने बड़ी मछली को योना को सूखी भूमि पर उल्टी करवा दी।

14. परमेश्वर द्वारा योना को बचाने के बाद, क्या परमेश्वर ने योना से कहा कि उसे नीनवे जाने की आवश्यकता नहीं है?

-नहीं।

-परमेश्वर नहीं बदलते।

-परमेश्वर कभी नहीं बदलते।

-परमेश्वर अब भी चाहता था कि योना नीनवे जाए।

15. क्या नीनवे के लोगों ने परमेश्वर का वह संदेश सुना जो योना ने उन्हें बताया था?

-हां।

16. वे लोग क्या कहलाते थे जिन्हें परमेश्वर ने अपना दूत बनने के लिए और लोगों को अपना संदेश बताने के लिए चुना था?

-भविष्यद्वक्ता।

17. भविष्यवक्ताओं ने लोगों से क्या कहा?

-पाप का मार्ग छोड़कर ईश्वर के मार्ग पर चलना।

18. इस्राएल के दस गोत्रों का क्या होगा यदि वे पाप का मार्ग छोड़कर परमेश्वर के मार्ग पर न चलें?

-परमेश्वर अश्शूरियों को इस्राएल के दस गोत्रों को हराने और उन्हें अपना दास बनाने के लिए भेजेगा।

19. यहूदा के दो गोत्रों का क्या होगा यदि वे पाप का मार्ग छोड़कर परमेश्वर के मार्ग पर न चलें?

-यहूदा के दो गोत्रों को हराने और उन्हें अपना दास बनाने के लिए परमेश्वर बाबुलियों को भेजेगा।

-भले ही परमेश्वर ने उद्धारकर्ता को भेजने का वादा किए हुए कई साल बीत चुके हों, क्या परमेश्वर अपना वादा भूल गया?

-नहीं।

-परमेश्वर ने आदम और हव्वा से वादा किया था कि वह उद्धारकर्ता को भेजेगा।

-परमेश्वर ने अब्राहम, इसहाक और याकूब से वादा किया कि वह उद्धारकर्ता को भेजेगा।

-परमेश्वर ने मूसा और इस्राएलियों से वादा किया कि वह उद्धारकर्ता को भेजेगा।

-परमेश्वर ने राजा डेविड और राजा सुलैमान से वादा किया था कि वह उद्धारकर्ता को भेजेगा।

-परमेश्वर उद्धारकर्ता को भेजने के अपने वादे को नहीं भूले।

-भले ही इस्राएलियों ने परमेश्वर पर विश्वास नहीं किया, क्या परमेश्वर ने उद्धारकर्ता को न भेजने का निर्णय लिया?

-नहीं।

-हालाँकि इस्राएली परमेश्वर पर विश्वास नहीं करते थे, फिर भी परमेश्वर उद्धारकर्ता को क्यों भेजना चाहता था?

-क्योंकि परमेश्वर सभी लोगों से प्यार करता है।

-क्योंकि परमेश्वर सभी लोगों को पाप, मृत्यु और शैतान की शक्ति से बचाना चाहता है।

-क्योंकि परमेश्वर नहीं चाहते कि कोई भी अनन्त अग्नि की झील में जाए।

-आने वाले उद्धारकर्ता के बारे में परमेश्वर ने किसे अपना संदेश दिया?

-भविष्यद्वक्ताओं के लिए।

-आने वाले उद्धारकर्ता के बारे में ये संदेश कहाँ लिखे गए हैं जो परमेश्वर ने भविष्यवक्ताओं को दिए थे?

-परमेश्वर की किताब, बाइबिल में।

-इससे पहले कि परमेश्वर ने उद्धारकर्ता को भेजा, परमेश्वर ने उद्धारकर्ता के साथ होने वाली हर चीज की योजना बनाई।

-परमेश्वर ने उस उद्धारकर्ता के बारे में क्या कहा जिसे वह भेज रहा था?

आइए पढ़ें यशायाह 9:7

7-उनकी सरकार और शांति की वृद्धि का कोई अंत नहीं होगा। वह दाऊद के सिंहासन पर और उसके राज्य पर राज्य करेगा, और उसे न्याय

और धार्मिकता के साथ उस समय से और हमेशा के लिए स्थापित और सम्भालेगा।

-परमेश्वर ने कहा कि उद्धारकर्ता दाऊद का वंशज होगा और हमेशा के लिए राजा होगा।

-परमेश्वर ने उस उद्धारकर्ता के बारे में और क्या कहा जिसे वह भेज रहा था?

आइए पढ़ें यशायाह 7:14

14-कुंवारी गर्भवती होगी और उसके एक पुत्र उत्पन्न होगा, और वह उसका नाम इम्मानुएल रखेगी।

-परमेश्वर ने कहा कि उद्धारकर्ता का कोई मानव पिता नहीं होगा और न ही मानव माता, लेकिन एक कुंवारी से पैदा होगी।

-परमेश्वर ने उस उद्धारकर्ता के बारे में और क्या कहा जिसे वह भेज रहा था?

आइए पढ़ते हैं मीका 5:2

2- "परन्तु हे बेतलेहेम एप्राता, यद्यपि यहूदा के कुलों में से तुम छोटे हो, तौभी तुम में से एक मेरे लिये निकलेगा, जो इस्राएल का अधिकारी होगा, जिसका मूल प्राचीनकाल से और प्राचीनकाल से है।"

-परमेश्वर ने कहा कि उद्धारकर्ता बेथलहम शहर में पैदा होगा।

-परमेश्वर ने उस उद्धारकर्ता के बारे में और क्या कहा जिसे वह भेज रहा था?

आइए पढ़ें होशे 11:1

1-“जब इस्राएल बालक था, तब मैं ने उस से प्रीति रखता था, और अपने पुत्र को मिस्र में से बुलाया।”

-परमेश्वर ने कहा कि वह उद्धारकर्ता को मिस्र से बाहर बुलाएगा।

-परमेश्वर ने उस उद्धारकर्ता के बारे में और क्या कहा जिसे वह भेज रहा था?

आइए पढ़ें यशायाह 11:2

2- यहोवा का आत्मा उस पर टिका रहेगा—बुद्धि और समझ का आत्मा, युक्ति और सामर्थ का आत्मा, ज्ञान का और यहोवा का भय मानने वाला आत्मा।

-परमेश्वर ने कहा कि उद्धारकर्ता का नेतृत्व पवित्र आत्मा परमेश्वर करेगा।

-परमेश्वर ने उस उद्धारकर्ता के बारे में और क्या कहा जिसे वह भेज रहा था?

आइए पढ़ें यशायाह 53:4-5

4-निश्चय ही उसने हमारी दुर्बलताओं को सह लिया और हमारे दुखों को उठा लिया, फिर भी हम उसे ईश्वर से पीड़ित, उसके द्वारा पीड़ित और पीड़ित मानते थे।

5-परन्तु वह हमारे ही अपराधों के कारण बेधा गया, वह हमारे अधर्म के कामों के कारण कुचला गया; जिस दण्ड ने हमें शान्ति दी, वह उस पर था, और उसके घावों से हम चंगे हो गए हैं।

-परमेश्वर ने कहा कि उद्धारकर्ता सभी लोगों के लिए पीड़ित होगा।

-परमेश्वर ने उस उद्धारकर्ता के बारे में और क्या कहा जिसे वह भेज रहा था?

आइए पढ़ें भजन 41:9

9 मेरे उस घनिष्ठ मित्र ने जिस पर मैं भरोसा किया या, जिस ने मेरी रोटी बांटी, उसी ने मेरे साम्हने एड़ी उठाई है।

-परमेश्वर ने कहा कि एक दोस्त द्वारा उद्धारकर्ता को धोखा दिया जाएगा।

-परमेश्वर ने उस उद्धारकर्ता के बारे में और क्या कहा जिसे वह भेज रहा था?

आइए पढ़ें जकर्याह 11:12-13

12-मैं ने उन से कहा, यदि तुम ठीक समझे तो मुझे मेरी तनख्वाह दो; लेकिन अगर नहीं तो रख लो।" इसलिए उन्होंने मुझे चाँदी के तीस सिक्के दिए।

13-तब यहोवा ने मुझ से कहा, “उसे कुम्हार के हाथ में डाल दे।” तब मैं ने चान्दी के तीस टुकड़े लेकर यहोवा के भवन में कुम्हार के पास फेंक दिए।

-परमेश्वर ने कहा कि उद्धारकर्ता को चांदी के तीस टुकड़ों में बेचा जाएगा।

-परमेश्वर ने उस उद्धारकर्ता के बारे में और क्या कहा जिसे वह भेज रहा था?

आइए पढ़ें भजन 27:2

2-जब दुष्ट लोग मेरा मांस खाने को मुझ पर चढ़ाई करेंगे, और जब मेरे शत्रु और मेरे बैरी मुझ पर चढ़ाई करेंगे, तब वे ठोकर खाकर गिर पड़ेंगे।

-परमेश्वर ने कहा कि उद्धारकर्ता पर झूठा आरोप लगाया जाएगा।

-परमेश्वर ने उस उद्धारकर्ता के बारे में और क्या कहा जिसे वह भेज रहा था?

आइए पढ़ें यशायाह 50:6

6 मैं ने अपक्की पीठ पीटनेवालोंको दी, और अपके गाल मेरी दाढ़ी निकालनेवालोंको दिए; मैंने ठट्ठा करने और थूकने से अपना मुँह नहीं छिपाया।

-परमेश्वर ने कहा कि उद्धारकर्ता को पीटा जाएगा और उस पर थूका जाएगा।

-परमेश्वर ने उस उद्धारकर्ता के बारे में और क्या कहा जिसे वह भेज रहा था?

आइए पढ़ें यशायाह 53:7

7 उस पर अन्धेर और दु:ख हुआ, तौभी उस ने अपना मुंह न खोला; वह भेड़ के बच्चे की नाईं वध के लिथे ले जाया गया, और जिस प्रकार भेड़ ऊन कतरने वालों के साम्हने चुप रहती है, वैसे ही उस ने अपना मुंह न खोला।

-परमेश्वर ने कहा कि जब उस पर आरोप लगाया गया तो उद्धारकर्ता कुछ नहीं कहेगा।

-परमेश्वर ने उस उद्धारकर्ता के बारे में और क्या कहा जिसे वह भेज रहा था?

आइए पढ़ें यशायाह 53:3

3-वह मनुष्यों द्वारा तिरस्कृत और ठुकराया गया था, एक दुख का आदमी था, और दुख से परिचित था। जिस से मनुष्य अपना मुख छिपाते हैं, उसी के समान वह तुच्छ जाना गया, और हम ने उसका आदर नहीं किया।

-परमेश्वर ने कहा कि लोग उद्धारकर्ता को अस्वीकार कर देंगे।

-परमेश्वर ने उस उद्धारकर्ता के बारे में और क्या कहा जिसे वह भेज रहा था?

आइए पढ़ें भजन 69:4

4-जो अकारण मुझ से बैर रखते हैं, वे मेरे सिर के बालों से बढ़कर हैं; बहुत से अकारण मेरे शत्रु हैं, जो मुझे नष्ट करना चाहते हैं।

-परमेश्वर ने कहा कि बिना किसी कारण के उद्धारकर्ता से घृणा की जाएगी।

-परमेश्वर ने उस उद्धारकर्ता के बारे में और क्या कहा जिसे वह भेज रहा था?

आइए पढ़ें भजन 22:16

16-कुत्तों ने मुझे घेर लिया है; दुष्टों के दल ने मुझे घेर लिया है, उन्होंने मेरे हाथ और मेरे पांवों को बेध दिया है।

-परमेश्वर ने कहा कि उद्धारकर्ता के हाथ और पैर छिदवाए जाएंगे।

-परमेश्वर ने उस उद्धारकर्ता के बारे में और क्या कहा जिसे वह भेज रहा था?

आइए पढ़ें भजन 22:18

18 वे मेरे वस्त्र आपस में बांटते हैं, और मेरे वस्त्र के लिथे चिट्ठी डालते हैं।

-परमेश्वर ने कहा कि लोग उद्धारकर्ता के कपड़ों के लिए पासा फेंकेंगे।

-परमेश्वर ने उस उद्धारकर्ता के बारे में और क्या कहा जिसे वह भेज रहा था?

आइए पढ़ें भजन 22:6-7

6-परन्तु मैं मनुष्य नहीं कीड़ा हूं, जो मनुष्यों द्वारा तिरस्कृत और प्रजा द्वारा तुच्छ जाना जाता है।

7-जो मुझे देखते हैं वे सब मेरा उपहास करते हैं; वे सिर हिलाते हुए अपमान करते हैं:

-परमेश्वर ने कहा कि उद्धारकर्ता का उपहास और अपमान किया जाएगा।

-परमेश्वर ने उस उद्धारकर्ता के बारे में और क्या कहा जिसे वह भेज रहा था?

आइए पढ़ें यशायाह 53:12

12 इसलिथे मैं उसे बड़े लोगोंमें से एक भाग दूंगा, और वह लूट को बलवानोंमें बांट देगा, क्योंकि उस ने अपके प्राण को मृत्यु के लिथे उंडेल

दिया, और अपराधियोंमें गिना गया। क्योंकि उस ने बहुतों के पाप उठाए, और अपराधियों के लिथे बिनती की।

-परमेश्वर ने कहा कि उद्धारकर्ता बुरे लोगों के साथ मर जाएगा।

-परमेश्वर ने उस उद्धारकर्ता के बारे में और क्या कहा जिसे वह भेज रहा था?

आइए पढ़ें यशायाह 53:9

9-दुष्टों के संग कब्र और उसकी मृत्यु के समय धनवानों को ठहराया गया, तौभी उस ने कोई उपद्रव न किया था, और न उसके मुंह से छल की कोई बात निकली थी।

-परमेश्वर ने कहा कि उद्धारकर्ता को अमीरों के साथ दफनाया जाएगा।

-परमेश्वर ने उस उद्धारकर्ता के बारे में और क्या कहा जिसे वह भेज रहा था?

आइए पढ़ें भजन 16:10

10 क्योंकि तू मुझे कब्र में नहीं छोड़ेगा, और न अपके पवित्र को क्षय होने देगा।

-परमेश्वर ने कहा कि उद्धारकर्ता मृतकों में से जी उठेगा।

-परमेश्वर ने उस उद्धारकर्ता के बारे में और क्या कहा जिसे वह भेज रहा था?

आइए पढ़ें भजन 68:18

18-जब आप ऊँचे पर चढ़ते हैं, तो आप अपनी ट्रेन में बंदियों का नेतृत्व करते हैं।

-परमेश्वर ने कहा कि उद्धारकर्ता स्वर्ग में लौट आएगा।

-इससे पहले कि परमेश्वर ने उद्धारकर्ता को भेजा, परमेश्वर ने उद्धारकर्ता के साथ होने वाली हर चीज की योजना बनाई।

-परमेश्वर के नबियों ने इस्राएलियों को उस उद्धारकर्ता के बारे में बताया जिसे परमेश्वर भेज रहा था।

-परमेश्वर के नबियों ने भी इस्राएलियों को पाप का मार्ग छोड़कर परमेश्वर के मार्ग पर चलने के लिए कहा।

-क्या अधिकांश इस्राएलियों ने परमेश्वर के नबियों की बात मानी?

-नहीं।

-इस्राएलियों ने परमेश्वर के नबियों के साथ क्या किया?

-उन्होंने उन्हें मार डाला।

-इस्राएलियों ने परमेश्वर के नबियों को क्यों मार डाला?

-क्योंकि परमेश्वर के भविष्यवक्ताओं ने इस्राएलियों को पाप का मार्ग छोड़कर परमेश्वर के मार्ग पर चलने को कहा था।

-क्योंकि परमेश्वर के भविष्यवक्ताओं ने इस्राएलियों से कहा था कि परमेश्वर उनके पापों को मृत्यु के द्वारा दंड देगा।

-क्योंकि इस्राएली अपने पाप से प्रेम रखते थे, और परमेश्वर की आज्ञा का पालन नहीं करना चाहते थे।

-परमेश्वर के नबियों की सुनने के बजाय, इस्राएलियों ने किसकी सुनी?

-झूठे नबी।

-झूठे भविष्यवक्ताओं ने कहा कि वे परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता थे, परन्तु वे शैतान के भविष्यद्वक्ता थे।

-झूठे भविष्यद्वक्ता कह रहे थे कि ईश्वर उनके पाप का दंड नहीं देगा।

-झूठे नबियों ने कहा कि वे ईश्वर की सच्चाई कह रहे थे, लेकिन क्या कह रहे थे?

-शैतान का झूठ।

-झूठे नबियों के माध्यम से कौन बोल रहा था?

-शैतान।

-आज, क्या शैतान अभी भी लोगों के माध्यम से अपना झूठ बोलना जारी रखता है?

-हां।

-शैतान लोगों के माध्यम से कहता है कि परमेश्वर का अनुसरण न करें।

-शैतान लोगों के माध्यम से पूर्वजों के मार्ग पर चलने को कहता है।

-शैतान लोगों के माध्यम से कहता है कि परमेश्वर के वचन को न सुनें।

-शैतान लोगों के माध्यम से कहता है कि परमेश्वर का वचन सत्य नहीं है।

-शैतान लोगों के माध्यम से कहता है कि ईश्वर पाप की सजा नहीं देगा।

-यद्यपि इस्राएली अपनी बनाई हुई मूरतों की पूजा करते थे, क्या वे भी मन्दिर में परमेश्वर की उपासना करते रहे?

-हां।

-क्या परमेश्वर ने इस्राएलियों की उपासना को स्वीकार किया जिन्होंने उनके द्वारा बनाई गई मूर्तियों की पूजा की, और मंदिर में भी परमेश्वर की पूजा की?

-नहीं।

-परमेश्वर ने उन इस्राएलियों की पूजा को क्यों स्वीकार नहीं किया, जिन्होंने उनके द्वारा बनाई गई छवियों की पूजा की, और मंदिर में परमेश्वर की भी पूजा की?

-क्योंकि परमेश्वर जानता था कि वे केवल अपने होठों से उसकी पूजा कर रहे थे।

-क्योंकि परमेश्वर जानता था कि वे अपने दिल में छवियों की पूजा कर रहे थे।

-हमारे दिलों के बारे में कौन जानता है?

-परमेश्वर।

-परमेश्वर हम सभी के दिलों में देख सकते हैं।

-परमेश्वर जानता है कि हम उसकी पूजा अपने होठों से कर रहे हैं या अपने दिल से।

-परमेश्वर हमारे सभी दिलों के बारे में क्या कहते हैं?

-परमेश्वर कहते हैं कि हमारे सभी दिल पाप से भरे हुए हैं।

-यद्यपि अधिकांश इस्राएली मूर्तियों की पूजा कर रहे थे, क्या कोई इस्राएली केवल परमेश्वर की पूजा कर रहे थे?

-हां।

-कुछ थे।

-केवल परमेश्वर की उपासना करने वाले इस्राएली किसके लिए प्रतीक्षा कर रहे थे?

-वे उद्धारकर्ता को भेजने के लिए परमेश्वर की प्रतीक्षा कर रहे थे।